नवभारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

नया जीएसटी : जनकल्याणकारी निर्णय

जीएसटी परिषद की 56 वीं बैठक में लिए गए फैसले भारत की कर प्रणाली को एक नई दिशा देते हैं. 22 सितंबर 2025 से लागू होने वाले ये बदलाव केवल कर दरों का फेरबदल नहीं हैं, बल्कि एक गहरी सोच, दूरगामी दृष्टि और आम आदमी को राहत देने का प्रयास हैं. पिछले कई वर्षों से जीएसटी ढांचे पर सवाल उठते रहे हैं कि जटिल स्लैब, ऊंचे टैक्स और कारोबारियों पर अनावश्यक बोझ हैं. परिषद के ताज़ा निर्णय इन्हीं सवालों का ठोस उत्तर साबित हो सकते हैं .अब केवल दो मुख्य स्लैब, 5 फीसदी और 18 फीसदी रहेंगे. आवश्यक वस्तुओं पर 0 फीसदी और विलासिता (हानिकारक) वस्तुओं पर 40 फीसदी का विशेष टैक्स लगाया जाएगा. यह सरलीकरण कर प्रणाली को अधिक स्पष्ट और समझने योग्य बनाएगा. दरअसल, संदेश साफ है कि समाज के लिए जरूरी वस्तुएं सस्ती होंगी और नुकसान पहुंचाने वाले उत्पाद महंगे.

स्वास्थ्य बीमा और जीवन बीमा प्रीमियम पर जीएसटी खत्म करना एक ऐतिहासिक कदम है. अब तक मध्यमवर्गीय परिवार बीमा लेने से हिचकिचाता था क्योंकि प्रीमियम पर 18 फ़ीसदी टैक्स अतिरिक्त बोझ था. इस राहत से बीमा क्षेत्र में नई गति आएगी और आम आदमी के लिए सुरक्षा कवच मजबूत होगा. कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की दवाओं पर टैक्स घटाकर 18 फ़ीसदी से 5 फ़ीसदी करना समाज के लिए राहत की सांस है. जब स्वास्थ्य सुविधाएं महंगी होती जा रही हैं, तब यह कदम मानवीय संवेदना और सामाजिक न्याय की मिसाल है.

कृषि क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करना परिषद की दूरदर्शिता को दर्शाता है. दूध, पनीर, मक्खन, रोटी और चना जैसी रोजमर्रा की वस्तुओं को टैक्स फ्री करना महंगाई के बोझ को हल्का करेगा. कृषि उपकरणों, उर्वरकों और कीटनाशकों पर टैक्स में कटौती किसानों की लागत घटाएगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल देगी. यह फैसला केवल किसानों की जेब नहीं बचाएगा बल्कि खाद्य सुरक्षा और उत्पादन क्षमता को भी सशक्त करेगा. छोटी कारें, मोटरसाइकिल, मोबाइल फोन, टीवी, एसी और सिलाई मशीन जैसे उत्पाद सस्ते होने से शहरी मध्यम वर्ग को सीधी राहत मिलेगी. उपभोक्ता बाजार में मांग बढ़ेगी, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा और रोज़गार सृजन की संभावना भी बढ़ेगी. सौर ऊर्जा उपकरणों पर टैक्स कम करना ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम है. यह पर्यावरणीय दृष्टि से भी सराहनीय है. जहां राहत दी गई है, वहीं पान मसाला, सिगरेट, गुटखा, फ्लेवर्ड पेय और फास्ट फूड पर 40 फ़ीसदी टैक्स लगाया गया है. यह केवल राजस्व का साधन नहीं, बल्कि सामाजिक संदेश भी है.स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने वाले उत्पादों को महंगा कर सरकार यह बताना चाहती है कि नागरिकों की भलाई के साथ कोई समझौता नहीं होगा. यह निर्णय कर नीति के साथ-साथ जनस्वास्थ्य नीति का भी हिस्सा है. इन सबके बीच एक बड़ी चुनौती राजस्व संग्रहण की होगी. टैक्स घटाने से सरकार की आय पर असर पड़ना तय है. घाटे की भरपाई के लिए कर चोरी, फर्जी बिलिंग और काले धन पर सख्ती जरूरी होगी. जीएसटी की फाइलिंग प्रक्रिया को आसान बनाने और छोटे कारोबारियों को राहत देने का वादा किया गया है, पर यह देखना होगा कि जमीनी स्तर पर यह कितना प्रभावी साबित होता है. कुल मिलाकर जीएसटी परिषद के फैसले केवल आर्थिक सुधार नहीं, बल्कि राजनीतिक-सामाजिक संदेश भी हैं. यह आम आदमी, किसान, व्यापारी और मध्यम वर्ग, सबको राहत देने का प्रयास है. साथ ही, यह स्पष्ट चेतावनी भी है कि विलासिता और हानिकारक वस्तुओं पर किसी तरह की छूट नहीं मिलेगी.

इस बदलाव को केवल टैक्स सुधार न मानकर, इसे एक जनकल्याणकारी कर क्रांति समझना चाहिए. सरकार को अब यह सुनिश्चित करना होगा कि इन फैसलों का लाभ हर उपभोक्ता तक पहुंचे और महंगाई व भ्रष्टाचार इन पर पानी न फेर दें. जीएसटी का यह नया रूप वास्तव में आम जनता के विश्वास को मजबूत करने और भारतीय कर प्रणाली को सरल व न्यायपूर्ण बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है.

उमर फ़ारूक़ अली : शिक्षा के दीपस्तंभ

सैयद आसिम अली

भारत में हर साल 5 सितंबर को शिक्षक दिवस मनाया जाता है. यह दिन महान दार्शनिक, शिक्षक और भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि स्वरूप मनाया जाता है. डॉ. राधाकृष्णन का मानना था कि शिक्षा केवल जीवन यापन का साधन नहीं बल्कि चरित्र निर्माण और समाज सुधार का सबसे बड़ा मार्ग है. इसी अवसर पर आज हम बात कर रहे हैं उन शिक्षक की, जिन्होंने शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर जीवन जीने की कला बना दिया— मेरे मार्गदर्शक और प्रेरणास्त्रोत उमर फ़ारूक़ अली सर .

शिक्षा का दीपस्तंभ- भोपाल के श्यामला हिल्स स्थित बाल भवन स्कूल के संचालक उमर फ़ारूक़ अली शिक्षा जगत का वह नाम हैं, जिन्होंने शिक्षा को जीवन मूल्यों, संस्कारों और अनुशासन से जोड़कर एक नई पहचान दी.

जैसे समुद्र में भटके हुए जहाज़ को दीपस्तंभ रास्ता दिखाता है, वैसे ही उमर फ़ारूक़ अली सर विद्यार्थियों और समाज को सही दिशा दिखाने वाले मार्गदर्शक हैं.उनके प्रयासों ने बाल भवन स्कूल को केवल पढ़ाई की जगह नहीं, बल्कि संस्कार और समग्र व्यक्तित्व विकास का केंद्र बना दिया.उनके नेतृत्व में बच्चों को यह सीख दी जाती है कि पढ़ाई के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी, कठिनाइयों से लड़ने का साहस और सकारात्मक सोच ही असली शिक्षा है.

शिक्षा में नवाचार- उमर फ़ारूक़ अली सर ने शिक्षा पद्धति को समय के साथ आधुनिक बनाया और नए प्रयोग किए—

स्मार्ट क्लासरूम - किताबों से परे व्यावहारिक ज्ञान.

प्रोजेक्ट आधारित लर्निंग - अनुसंधान और खोज की भावना.

खेल एवं गतिविधियों से शिक्षा - खेल जीवन का सबसे बड़ा शिक्षक है.

पर्यावरण शिक्षा- वृक्षारोपण, जल संरक्षण और स्वच्छता अभियान से जुड़ाव.

इन नवाचारों ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सामाजिक संवेदनशीलता का विकास किया.

विद्यार्थियों के प्रति आत्मीयता- उमर सर अपने छात्रों को केवल विद्यार्थी नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा मानते हैं.

- पढ़ाई में कठिनाई हो तो व्यक्तिगत मार्गदर्शन.
- आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों की पढ़ाई कभी न रुके, इसकी चिंता.
- बच्चों की निजी समस्याओं को सुनकर समाधान की राह दिखाना.
- यही कारण है कि विद्यार्थी उन्हें सिर्फ़ शिक्षक नहीं, बल्कि पिता समान मानते हैं.

समाज के लिए योगदान- उनका योगदान केवल स्कूल तक सीमित नहीं है.

- शिक्षा जागरूकता अभियान.
- सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों के जरिए बच्चों में सामाजिक सरोकार की भावना.

इन प्रयासों से अनेक ऐसे बच्चों का भविष्य संवर पाया, जो अन्यथा पढ़ाई से वंचित रह जाते.

विद्यार्थियों की गवाही- कई छात्र बताते हैं कि जब वे निराश हुए तो सर ने उनका उत्साह बढ़ाया.

- जब मैं पढ़ाई में पिछड़ रहा था, तब सर ने मुझे अतिरिक्त समय दिया और आज मैं इंजीनियरिंग कर रहा हूँ.
- सर ने सिखाया कि सफलता का रास्ता ईमानदारी और मेहनत से होकर जाता है. यही सीख मेरी सबसे बड़ी पूँजी है.

शिक्षक दिवस पर संदेश- उमर फ़ारूक़ अली सर का मानना है - शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं होता, बल्कि वह जीवन का मार्गदर्शक होता है. आज की दुनिया को केवल अच्छे अंक लाने वाले नहीं, बल्कि अच्छे इंसानों की ज़रूरत है.

निष्कर्ष- शिक्षक दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारी नींव हमारे शिक्षक रखते हैं. मेरे शिक्षक उमर फ़ारूक़ अली सर उसी नींव के शिल्पकार हैं. उन्होंने हमें सिर्फ़ किताबों का ज्ञान नहीं दिया, बल्कि जीवन की राह दिखाने वाला दीपक भी जलाया.आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूँ, तो महसूस करता हूँ कि अगर सर जैसे शिक्षक न होते, तो शायद मैं जीवन के कई संघर्षों में हार मान लेता. लेकिन उन्होंने हमें हार न मानना सिखाया.

आज मैं पूरे समर्पण और सम्मान के साथ अपने शिक्षक के प्रति आभार प्रकट करना चाहता हूँ, जिनका योगदान मेरे जीवन में अमूल्य है.

इस विशेष अवसर पर मैं अपने शिक्षक उमर फ़ारूक़ अली सर के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ. आपने न केवल मुझे शिक्षा दी, बल्कि जीवन के मूल्यों को भी समझाया. मैं आपको हृदय से शुभकामनाएँ देता हूँ कि आपका जीवन सदैव उज्ज्वल रहे और आप निरंतर भावी पीढ़ियों को प्रेरित करते रहें.

धन्यवाद सर! आप जैसे गुरु ही हमारे जीवन के सच्चे नायक हैं.

महाकौशल की डायरी

राजनैतिक आकाओं के दरबार में दस्तक का क्या मिलेगा फायदा...

अविनाश दीक्षित

प्रदेश के कुछ जिलों में भाजपा की कार्यकारिणी घोषित होने के बाद अब जबलपुर की कार्यकारिणी को लेकर संगठन के उन कार्यकर्ताओं की बैचेनी और बढ़ गई है जो संगठन में किसी न किसी पद की आस पर लगाए बैठे हैं. आलम ये है कि भाजपा जिला कार्यकारिणी में जगह बनाने के इच्छुक नेता, कार्यकर्ता अपने - अपने राजनैतिक आकाओं के दरबार में सुबह से लेकर रात तक प्रतिदिन दस्तक दे रहे हैं जिससे उन्हें कुछ न कुछ हासिल हो जाए. शहर के राजनैतिक गलियारों से जो खबर निकलकर आ रही है उससे पता चल रहा है कि संगठन में कोई न कोई पद मिलने की चाह रखने वाले नेता इसे अपनी प्रतिष्ठा का विषय भी मान रहे हैं.

वहीं भाजपा के कई दिग्गज नेता भी अपने-अपने गुटों के नेताओं को आगे लाने सक्रिय हैं. अंतिम मुहर किस पर लगेगी ये तो आने वाला समय ही बताएगा. संगठन में पद की लालसा के साथ ही निगम, मण्डलों, प्राधिकरणों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों के लिए भी भोपाल से लेकर दिल्ली तक समीकरण बैठाने की चर्चाएं सियासी गलियारों में खूब चल रहीं हैं, फिलहाल उम्मीद का दामन थामे बैठे नेता, कार्यकर्ता अपनी किस्मत खुलने का इंतजार करते नजर आ रहे हैं. राजनैतिक विश्लेषकों, का मानना है कि जबलपुर जिला कार्यकारिणी का गठन आने वाले नगर निगम और विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखकर किया जाएगा, इसलिए संगठन में नए और ऊर्जावान चेहरों को शामिल करने की बात की भी संभावना जताई जा रही है, जिससे भाजपा शहर में और मजबूत हो सके. सर्वविदित है कि भाजपा का जबलपुर संगठन कई गुटों में विभाजित है, जिसमें वरिष्ठ नेताओं के समर्थक, युवा मोर्चा से जुड़े कार्यकर्ता, महिला मोर्चा की सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ संगठन के पुराने नामी चेहरे भी शामिल हैं. ऐसे में भाजपा नगर अध्यक्ष सोनकर के लिए यह बिल्कुल आसान नहीं होगा कि वह पार्टी के ही अलग-अलग धड़ों के बीच संतुलन साधकर सर्वमान्य कार्यकारिणी पेश कर पाएँ. जानकारी के अनुसार भाजपा की जिला कार्यकारिणी गठन को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं की नजरें जबलपुर के साथ भोपाल, दिल्ली के शीर्ष नेतृत्व पर भी टिकी हुई है. क्योंकि सबको मालूम है कि कवायद कुछ भी की जाये मगर अंत में किस्मत का लिफाफा प्रदेश व केंद्रीय नेतृत्व की मंशा के अनुरूप ही होगा. खबर ये भी है कि भाजपा के सभी गुटों में बंटे नेता-कार्यकर्ताओं को पार्टी हित में एक साथ साधने के लिए भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर बीते कुछ दिनों से कड़ी मशक्कत कर रहे हैं, किन्तु इसका परिणाम क्या निकलेगा यह देखना दिलचस्प रहेगा.

प्रभात के कार्यकाल में नहीं हो पाया था कार्यकारिणी का गठन

गौरतलब है कि कुछ सालों पहले उस समय अध्यक्ष रहे जीएस ठाकुर ने जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया था. उसके बाद प्रभात साहू नगर अध्यक्ष बने लेकिन अंदरूनी खींचतान के चलते वह अपनी कार्यकारिणी घोषित नहीं कर पाये, नतीजतन श्री साहू को पुराने चेहरों को साथ लेकर संगठन चलाना पड़ा. अब मौजूदा अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के पाले में गेंद है. रत्नेश सोनकर को लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह का करीबी माना जाता है. ऐसे में जिलाध्यक्ष की तरफ से दिए गए नामों पर मुहर लगना लगभय तय माना जा रहा है. वहीं संगठन के अन्य गुट भी अपने-अपने समर्थकों को पदों पर जगह दिलाने के लिए सक्रिय हैं.

जब उम्मीद पर फिरा पानी.....

किसानों से इसी उम्मीद से डबल लॉक केंद्र में अपने-अपने आधार कार्ड जमा किए कि उन्हें जल्द ही खाद व यूरिया मिल जाएगा लेकिन जब उन्होनें अपने-अपने आधार कार्ड पाटन के गुरू पिपरिया डबल लॉक केंद्र के बाजू में स्थित खेत में पड़े हुए देखे तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई. ताजा मामला गुरू पिपरिया डबल लॉक केंद्र की लापरवाही का उजागर हुआ है. खबर है कि एसडीएम मानवेंद्र सिंह के द्वारा पूरे मामले की जांच नायब तहसीलदार के द्वारा कराई जा रही है. प्रशासन की ओर से स्पष्ट कर दिया गया है कि जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही होगी. खेत में किसानों के आधार कार्ड किसने फेंके और दोषी कौन है इसका खुलासा तो आने वाले दिनों में होगा लेकिन पाटन के गुरू पिपरिया के किसानों का बड़ा समूह अपने आप को ये घटना सामने आने के बाद ठगा सा महसूस करने लगा है.

शिक्षकों के सम्मुख विभिन्न नई चुनौतियां

शिक्षक दिवस का विशिष्ट महत्व है क्योंकि गुरू के प्रति श्रद्धा भारतीय संस्कृति में हमेशा से रही है. इतने पर भी पहले की तुलना में आज शिक्षकों के लिए चुनौतियां बढ़ गई हैं. आज उन्हें सूचना एवं कंप्यूटर टेक्नोलॉजी से स्पर्धा करनी पड़ती है. एआई की चुनौती भी शालेय शिक्षकों से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों के शिक्षकों के सामने है. सर्च इंजन लोगों को उंगली के इशारे पर सूचना और जानकारी उपलब्ध करा रहे हैं. इसलिए इस सदी के शुरू में जन्मी जनरेशन जेड और उसके बाद की जनरेशन अल्फा की आवश्यकताएं, समझ, अवधारणा व उम्मीदों में फर्क आ गया है. अब शिक्षक को एक कुशल व सक्षम संवादक बनना जरूरी हो गया है, जो छात्रों को प्रेरित व उत्साहित करते हुए उनकी शंकाओं का निराकरण करे. अब छात्र खामोशी नहीं बरतते बल्कि प्रश्न करने लगे हैं, जिसके लिए शिक्षक को तत्पर रहना जरूरी हो गया है. इसके लिए उसे निरंतर अध्ययन करने की आवश्यकता है, ताकि विषय की कॉन्सेप्ट या अवधारणा स्पष्ट कर सके. छात्र कोई खाली प्याला नहीं है जिसे भरा जाए बल्कि ऐसा दीप है जिसकी ज्ञानज्योति प्रज्वलित करनी होगी. कितने ही संस्थानों में शिक्षक की भूमिका सुविधा प्रदान करने में सहयोग देने वाले (फैसिलिटेटर) की हो गई है. महाविद्यालयीन शिक्षा में परंपरागत शिक्षा कालबाह्य हो गई है. जो शिक्षा रोजगार नहीं दिला पाती, उसके प्रति छात्र उदासीन होते जा रहे हैं. इसे देखते हुए शिक्षा शास्त्रियों को पाठ्यक्रम में उचित बदलाव करना होगा. स्पेशलाइजेशन आवश्यक हो गया है. एक समय वह था जब बच्चों को मिट्टी के लोंदे मानकर मनचाहा आकार देने की जिम्मेदारी पालकों व शिक्षकों की थी. तब अनुशासन का विशेष महत्व था. शिक्षक की छड़ी व कठोर मुखमुद्रा देखकर बच्चे अनुशासित रहते थे.

आज बच्चों को चपत लगाना तो दूर, शिक्षक डांट भी नहीं सकता. ऐसे माहौल में अनुशासन कायम रखना और पढ़ाई के प्रति छात्र की रुचि जगाना शिक्षक के लिए आसान नहीं है. सरकारी व अनुदान प्राप्त स्कूलों के शिक्षकों पर काफी अधिक गैरशिक्षकीय कार्य लाद दिया जाता है.

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

निशानेबाज

घोटाला ऐसा भी लाजवाब चोरी हुआ लाखों का तालाब

पड़ोसी ने हमसे कहा, निशानेबाज, देश में वोट चोरी का मुद्दा गूंज रहा है लेकिन मध्यप्रदेश के रीवा जिले में 25 लाख रुपये की लागत से बना तालाब चोरी हो गया. है न विचित्र बात!

हमने कहा, अपने देश में भूमाफिया ने कितने ही तालाब चुराकर उन्हें मिट्टी-पत्थर का मलबा डालकर पाट दिया और फिर वहां फ्लैट स्कीम बना डाली. लोग अवाक देखते रह गए. अतिक्रमण का अजगर सब कुछ निगल जाता है. पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, रीवा का मामला कुछ अलग है. वहां के कठौली ग्राम में अमृत सरोवर योजना के तहत तालाब का निर्माण किया जाना था. फिर क्या था, कागजों पर तालाब खुद गया. रिकार्ड में बताया गया कि 9 अगस्त 2023 को तालाब का काम पूरा कर लिया गया. ग्रामीणों ने जाकर देखा तो तालाब का नामोनिशान नहीं था. उन्होंने पुलिस में तालाब चोरी की रिपोर्ट लिखवाई और उसे ढूंढने वाले को इनाम देने का ऐलान कर दिया.

हमने कहा, सरकारी दस्तावेजों पर शक करना अच्छी

बात नहीं है. जब तालाब का स्पॉट वेरिफिकेशन हुआ होगा, सरकारी खजाने से रकम सैंक्शन हुई होगी और काम समाधानकारक होने की रिपोर्ट सरकारी रिकार्ड में दर्ज होगी तो फिर तालाब के अस्तित्व से कैसे इनकार किया जा सकता है. तालाब के पास सिक्योरिटी गार्ड तैनात करते तो चोरी नहीं जाता. तालाब लावारिस नजर आया तो कोई उठा ले गया होगा.

पड़ोसी ने कहा, निशानेबाज, आप बहकी-बहकी बातें कर रहे हैं. तालाब कभी बना ही नहीं. ग्राम पंचायत के बेईमान सरपंच ने सरकारी नाले पर छोटा बांध बनाकर पानी अपनी ही निजी जमीन में रोक लिया और उसे तालाब बताकर अमृत सरोवर योजना के फंड से 24.94 लाख रुपए निकलवा लिए. लोगों ने मिल-बांटकर पैसे खा लिए होंगे. ग्रामीणों ने इस घोटाले की शिकायत प्रशासन ही नहीं, मुख्यमंत्री मोहन यादव तक पहुंचाई लेकिन नतीजा कुछ भी नहीं निकला. सरकारी योजनाओं का बंटाढार कर इस तरह भ्रष्टाचार किया जाता है.

हमने कहा, योजनाएं इसीलिए बनती हैं ताकि उनके नाम पर धांधली और घोटाले को अंजाम दिया जाए. कुछ राज्य इसी वजह से पिछड़े हैं जहां लोहे का पुल और बिजली के तार काटकर बेच दिए जाते हैं. ग्रामीण लाचार हैं जबकि अधिकारी और नेता मालामाल हैं.

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12014

-डॉ. सागर खादीवाला

1	2		■	3	4	5	6
7		■	■	8			
9		10	11	■	■	12	
■	13			■	14	■	
15	■		■	16		17	■
18	19	■	■	20			21
22			23	■		■	
24		■	25				

बाएं से दाएं

1. मूसल-मुंगरी से किसी चीज को बार-बार आघात पहुंचाना, ठोंकना 3. धातु से बना, धातु संबंधी (सं.) 7. एक श्वासरोग जिसमें कफ जमने के कारण सांस लेने में बहुत कष्ट होता है 8. जैसा था वैसा ही, ज्यों का त्यों (सं.) 9. नाटक जैसा 12. तीर, बाण, सरकंडा (सं.) 13. धन, रुपया-पैसा (उर्दू ? 16. जिसमें सुनने की शक्ति न हो, बहरा 18. किशमिश बादाम आदि सुखाए हुए बढ़िया फल 20. वह पथरीला मैदान जहां पेड़ आदि न हो (उर्दू) 22. टीस मारना, ठन ठन शब्द होना 24. नाड़, गर्दन, नारी 25. उकता कर हिलना डोलना, हिचकना

ऊपर से नीचे

1. उछलना, फांदना, लांघना 2. एक फल जो स्वाद के लिए तरकारी में डाला जाता है 3. उपमाता, बच्चे की देखभाल करने के लिए नियुक्त स्त्री 4. और, व 5. लाचार, बेबस, मजबूर (सं.) 6. कैंची या सरौते से काटना 10. बबूल का पेड़ 11. मृत्यु के देवता 14. सबसे अधिक या ज्यादा (मैक्सिमम) 15. मरोड़ना 16. शक्ति, सामर्थ्य, ऐंठन, मरोड़ा 17. दांत (सं.) 19. बंदर 21. नीच, क्षुद्र (उर्दू) 23. नासिका, प्रतिष्ठा या शोभा की वस्तु

Solution 12013

बा	ल	वि	वा	क	■	छ	म
ध	■	श्व	■	वि	क	लां	ग
क	मी	■	द	■	स	ग	र
■	त	ह	बं	ध	■	■	म
म	■	■	ग	म	■	स्व	च्छ
स	लि	ला	■	की	■	तं	■
न	■	वा	दी	■	पा	त्र	ता
द	गा	■	प	वि	त्र	ता	■

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में व्यर्थ की यात्राओं में धन व्यय होगा, मानसिक उलझन रहेगी, शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, वर्ष के मध्य में व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होगा, सामाजिक कार्यो में ख्याति मिलेगी, वर्ष केअन्त में व्यर्थ की भागदौड़ से मन तनावग्रस्त रहेगा, दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों का शत्रु पक्ष प्रबल रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों का यात्राओं में धन व्यय होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मानसिक उलझन रहेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों का व्यक्तित्व सुखमय निखरेगा, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों का स्वाभाव मिलनसार और सामंजस्यपूर्ण रहेगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को दाम्पत्य जीवन साधारण और आनन्दमय रहेगा.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक स्वस्थ्य सुन्दर, एवं अच्छे विचारों का होगा. शरीर से दुबला पतला फुर्तीला होगा. स्वास्थ्य ठीक रहेगा. बचपन में निमोनिया आदि से तकलीफ होगी. किसी विशेष कला का ज्ञाता होगा. भाग्योन्नति जन्म स्थान से दूर होगी.

उदयकालीन ग्रह चाल

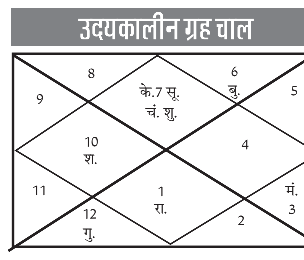

पंचांग

रा.मि. 15 संवत् 2082 भाद्रपद शुक्ल चर्तुदशी शनिवासरे रात 12/57, धनिष्ठा नक्षत्रे रात 11/17, अतिगण्ड योगे दिन 12/53, गर करणे सू.उ. 5/47 सू.अ. 6/13, चन्द्रचार मकर दिन 11/17 से कुम्भ, पर्व- अनन्त चर्तुदशी व्रत, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक-4,6,0.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद शुक्ल चर्तुदशी को धनिष्ठा नक्षत्र के प्रभाव से सरसों, अरंडी, बिनोला, मूँगफली, घी तेल के भाव में तेजी होगी. रूई, कपास, सूत, व लकड़ी से बनी वस्तुओं में तेजी का रूख रहेगा. भाग्यांक 4221 है.

मेष- धीमी गति से चल रही योजनाओं पर ध्यान दें. दौड़धूप अधिक होगी. लाभ मिलेगा. कामकाज बनने से प्रसन्नता होगी. मान सम्मान मिलेगा.

वृषभ- सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर खुशी मिलेगी. पूज्य व्यक्ति की सलाह लाभदायक रहेगी. महत्वपूर्ण कार्यो की रूपरेखा बन सकती है.

मिथुन- आपके साहस एवं पराक्रम में वृद्धि होगी. कामकाज कल पर न टालें. किसी पर अधिक भरोसा करना हानिकारक रहेगा. धार्मिक कार्य बनेगा.

कर्क- कारोबारी विस्तार की संभावना है. प्रापर्टी के कार्योमें सावधानी रखें. किसी अजनबी से मुलाकात लाभदायक सिद्ध होगी.

सिंह- विपरीत स्थिति को अपने लिये अनुकूल बना लेंगे. विद्या के क्षेत्र में सफलता मिलेगी. आर्थिक एवं व्यापारिक कामकाज होगा. पारिवारिक यात्रा होगी.

कन्या- सामूहिक कार्यों में सबकी सलाह लेकर आगे बढ़ें. विरोधी वर्ग उग्र रूप धारण कर सकते हैं. लाभदायक काम बनने का योग है.

तुला- कार्य क्षेत्र में समझौता करना लाभदायक रहेगा. विवादित मामले सुलझने के आसार हैं. सुख, सम्मान, प्रतिष्ठा बढेगी. दुविधा दूर होगी.

प्रतियोगी परीक्षा में सफलता के आसार हैं, सहयोगी आपकी मेहनत का लाभ उठायेंगे. धार्मिक कार्य की रूपरेखा बनेगी. मित्रों की मदद करेंगे.

धनु- पारिवारिक मित्रों से मुलाकात सुखद रहेगी. वैभव के सामान पर खर्च होगा. वाहन चलाने में सावधानी रखें. लापरवाही से स्वास्थ्य बिगड़ सकता है.

मकर- रूखे व्यवहार से मित्र वर्ग नाराज हो सकते हैं. वाणीं पर संयम रखना आवश्यक है. उच्च अध्ययन एवं अध्यापन का योग है. कामकाज में व्यस्तता रहेगी.

कुम्भ- आय के साधनों में वृद्धि होगी. किसी नये कार्य की योजना बनेगी. जल्दबाजी में लिया गया निर्णय नुकसानदायक हो सकता है.

मीन- कानूनी मामले में आपका पक्ष मजबूत होगा. अनुभव का लाभ मिलेगा. पारिवारिक कार्यों में समय का ध्यान रखकर कार्य करना लाभदायक रहेगा.

SUDOKU 7146

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7145

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8